

अध्यक्ष महोदय : यह तो गुस्से में हैं आप गुस्से में मत आये ।

श्री कै० आर० गणेश नही साहब, यह तो मेरी आदत है । मैं ने कई दफा पहले भी कहा है कि यह मेरी आदत है—मैं गुस्से में नहीं हूँ ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : एक महीना, दो महीना, तीन महीना, कमीशन कितना टाइम चाहता है ।

SHRI K. R. GANESH: The Commission want some little time to do the residual work. So the word 'soon' used is very appropriate.

SEVERAL HON. MEMBERS rose—

MR. SPEAKER: Order, order. You have made a mockery of this House.

श्री हुकम चन्द कच्छबाब : अध्यक्ष महोदय, आप हम को चुप करा देंगे लेकिन मारे देश के कर्मचारियों को चुप नहीं करा पायेंगे ।
(व्यवधान) :

अध्यक्ष महोदय : यह नहीं होगा । मैं आप में कहूँगा कि हमारे मंत्र का प्याला लबरेज हो चुका है ।

13 10 hrs.

RE DHARNA BY U.P. WEAVERS

श्री इंसहाक सन्मली (अमरोहा)

स्पीकर साहब, यू० पी० के 40 लाख बुनकर हमारी सरकार की इस पालिसी के मानहत तबाह हो रहे हैं और आप को मालूम है कि तीन दिन से मिनिस्टर द्वारा फारेन ट्रेड के मकान पर यू० पी० के बुनकर धरना दे रहे हैं । उन का मनला बहुत साफ़ मा है, वे कोई नई मांग लेकर

नहीं माये हैं, किसी रियायत के लिए नहीं माये हैं, उन का मतालबा वह है कि सरकार ने जो तीन एलान किए थे उन को पूरा किया जाये । उन को सरकार ने पूरा नहीं किया है । सरकार ने एलान किया था कि जनवरी 1970 के भाव पर सूत दिया जायेगा लेकिन आज तक सरकार ने सूत का भाव मुकर्रर कर के मिलों को मजबूर नहीं किया है कि उस भाव पर सूत दें । नतीजा यह है कि आज सूत के दाम कहीं ज्यादा बढ़ गये हैं । एक बण्डल पर तीन रुपये से सात रुपये तक बढ़ गए हैं । यह भी एलान किया गया था सरकार की तरफ से हमारे मिश्रा जी ने एलान किया था कि 30 अप्रैल तक 30 करोड़ रुपये का हेडलूम खरीद लिया जायेगा लेकिन एक घण्टा भी कपड़े का आज तक खरीदने का इन्तजाम नहीं किया गया है । यह भी एलान किया गया था कि हेडलूम को 15 सौ रुपए और पावर लूम को पांच हजार रुपए दिये जाएंगे । यू० पी० में दो लाख हेडलूम है सिर्फ 5 हजार को दिया गया है और इस तरह से 50 साल में भी बायदा पूरा नहीं हो सकेगा । इस का नतीजा यह है कि 40 लाख इन्सान भूखे मर रहे हैं । इस के लिए कल मैं ने, मेरे साथी बनर्जी साहब ने, सरजू पाठे और झारखंडगय जी ने आप को लिखकर दिया था, हमारी आप से दरखवास्त है मेहरबानी कर के सरकार को इतला बीजिए वरना 40 लाख भूखे इन्सान मिनिस्टर साहब के मकान को घेरेंगे । आप गोली चलायें वे गोली खा कर मर सकते हैं, लेकिन भूखे नहीं मर सकते हैं । इसलिए मेरी आप से दरखवास्त है कि सरकार की तवज्जह इस तरफ आप दिलायें । सरकार फौरन इस पर

कार्यवाई करे। बड़े शर्म की बात है कि जिन पालीसीज को सरकार ने डिक्लेयर किया था उन का इम्प्लीमेंटेशन नहीं हो रहा है, उन पर अमलदरामद नहीं हो रहा है। मेरी दरखास्त है मेहरबानी कर के इन लाखों इंसानों को आप फार्कों में बचाये और सरकार ने जो ऐलान किया है उन पर अमलदरामद करवाये।

شری استحق سنبھالی (امروہا) -
سہیکر صاحب - ۲۰ ہپی کے ۲۰ لاکھ۔
بلکر ہماری سرکار کی اس پالیسی کے مانتھت تھات ہو رہے ہیں۔ اور آپ کو معلوم ہے کہ تھن دن سے منسٹر فار فارن ٹریڈ کے مکن پر ہو ہی کے بلکر دھرنات رہے ہیں۔ ان کا مسئلہ بہت صاف سا ہے۔ وہ کوئی نئی مانگ لے کر نہیں آئے ہیں۔ کسی رعایت کے لئے نہیں آئے ہیں۔ ان کا مطالبہ یہ ہے کہ سرکار نے جو ن اعلان کئے تھے ان کو پورا کیا جائے۔ ان کو سرکار نے پورا نہیں کیا ہے۔ سرکار نے اعلان کیا تھا کہ جنوری ۱۹۷۰ کے بھای سے یہ سوٹ دیا جائے گا۔ لیکن آج تک سرکار نے سوٹ کا بھای مقرر کر کے ملوں کو مجبور نہیں کیا ہے کہ اس بھای پر سوٹ دیں۔ نتیجہ یہ ہے کہ آج سوٹ کے نام کہیں زیادہ بڑھ گئے ہیں۔ ایک بلکل پر تھن ۲۰۰ سے سات ۲۰۰

نک بوجھ گئے ہیں۔ یہ بھی اعلان کیا گیا تھا کہ سرکار کی طرف سے ہمارے مسرا جی نے اعلان کیا تھا کہ ۳۰ اپریل تک ۳۰ کروڑ روپے کا ہیلڈ لوم خرید لیا جائگا۔ لیکن ایک دھاگہ بھی کھوے گا آج تک خریدنے کا انتظام نہیں کیا گیا۔ یہ بھی اعلان کیا تھا کہ ہیلڈ لوم کو ۱۵ سو روپے اور پاور لوم کو پانچ ہزار روپے دئے جائینگے۔ یہ ہی میں دو لاکھ ہیلڈ لوم ہیں۔ صرف پانچ ہزار کو دیا گیا ہے۔ اور اس طرح سے ۵۰ سال میں بھی وعدہ پورا نہیں ہو گا۔ اس کا نتیجہ یہ ہے کہ ۲۰ لاکھ سان بھوکے مر رہے ہیں۔ اس کے لئے کل میں نے ۲۰ مہرے ساتھی بلرجی صاحب۔ سرچ پلانڈے اور چھارکھلڈے رائے جی نے آپ کو لکھ کر دیا تھا۔ ہماری آپ سے یہ درخواست ہے سہرانی کر کے سرکار کو اطلاع دیجئے ورنہ ۲۰ لاکھ بھوکے سان منسٹر صاحب کے مکن کو کھیلوں کے۔ آپ گولی چلائیں۔ وہ گولی کہا کر مر سکتے ہیں۔ لیکن بھوکے نہیں مر سکتے ہیں۔ اس لئے مہری آپ سے درخواست ہے کہ سرکار کی توجہ اس طرف آپ دلائیں۔ سرکار فوراً اس پر کارروائی کرے۔ بڑے شرم کی بات ہے کہ جن پالیسیوں کو سرکار

[श्री एस. सी. सिंह]
 ने तबिले कमा त्वा ली का अन्वेषण
 नहीं हो रहा है - उन पर एमल डुरामद
 नहीं हो रहा है - ये मीरी दुखोसत
 है मन्डरानी को ५ अन लाकुरी अन्सानु
 को आप लालु से बचाले - लुर सुलु
 ने जो अलन क्ते हेल अन पर एमल
 डुरामद को लाले -]

MR. SPEAKER: All right. The Minister will look into it.

13.11 hrs

SHRI JYOTIRMOY BOSU (Diamond Harbour): Sir, in the Business Advisory Committee ..

MR. SPEAKER: I will call you later on. Now, Shri Kalyanasundaram.

श्री ज्योतिर्मय बसु साडे 12 बजे हयारा
 मोशन लेने के लिए तय हुआ था ।

अध्यक्ष महोदय : वहा तो कुछ भी नहीं
 निष्ठा है ।

SHRI JYOTIRMOY BOSU: Sir, it was decided that the item on ear would be taken up at 12.30. If there is no time we should sit longer, because it is a substantive motion. At least four to five hours should be given.

MR. SPEAKER: No, no.

SHRI JYOTIRMOY BOSU: Under 193 it is a substantive motion. Therefore, I have the right of reply. I am just bringing it to your notice.

अध्यक्ष महोदय : प्राइवेट मेम्बरों के
 टाइम के पहिले जो बचता है वही मिलेगा ।

13.12 hrs.

Re. Charges Against Tamil Nadu
 Chief Minister and his Cabinet
 Colleagues

SHRI M. KALYANASUNDARAM
 (Tiruchirappalli) rose—

MR. SPEAKER: Please sit down. Let me tell you something. We do not allow discussion on the corruption charges against the Chief Minister of a State.

SHRI M. KALYANASUNDARAM:
 I am not...

MR. SPEAKER: I have disallowed it.

SHRI M. KALYANASUNDARAM:
 I am not rising on that. I want to know from the Prime Minister what action she is going to take, because the matter is now before her. She has sent the charges to the Chief Minister and called for his remarks and the remarks have been sent here. So, this House is entitled to know what are the charges and what is the reply and what is the Central Government going to do with that. (Interruption).

SHRI M. KALYANASUNDARAM
 It is a matter of public knowledge.

MR. SPEAKER: That is all right.

SHRI M. KALYANASUNDARAM:
 Let the reply be placed on the Table of the House. In the Assembly there, they have placed it on the Table of the House. It is public property now.

SHRI G. VISWANATHAN (Wandiwash): We want an enquiry on Mr. Kalyanasundaram.* (Interruption). and is indulging in anti-national activities. We want an enquiry. (Interruption). His loyalty to this country is questionable.

*Expunged as ordered by the Chair.